शराबखोरी केंद्रीय विद्यालय के सामने खुले मैदान में देर रात तक छलकते हैं जाम

सांझ ढलते ही मयखाने में तब्दील हो जाता है पहुंच मार्ग

डिंडोरी, नवभारत 19 जून। जिला मुख्यालय में अवैध शराब के कारोबार पर प्रतिबंध होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है।

शहर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान केंद्रीय विद्यालय डिंडोरी के पहुंच मार्ग और स्कूल भवन के सामने स्थित खुले मैदान में शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात तक यहां खुलेआम शराबखोरी का दौर चलता है, जिससे क्षेत्र का माहौल लगातार खराब हो रहा है।

असामाजिक तत्वों का रहता है जमावड़ा

बताया जाता है कि विद्यालय परिसर के सामने स्थित मैदान और आसपास के सुनसान हिस्सों में प्रतिदिन शाम के समय युवक एवं असामाजिक तत्व एकत्रित होकर शराब का सेवन करते हैं। रात होते-होते यहां शराब की बोतलें, डिस्पोजल गिलास और अन्य कचरा बिखरा हुआ देखा जा सकता है। सुबह टहलने आने वाले नागरिकों और विद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को यह दृश्य असहज करता है।

नियमित गश्त बढ़ाने की मांग

नागरिकों ने जिला प्रशासन और पुलिस विभाग से मांग की है कि केंद्रीय विद्यालय पहुंच मार्ग तथा स्कूल भवन के सामने स्थित मैदान में नियमित गश्त बढ़ाई जाए, सार्वजनिक स्थलों पर शराब सेवन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा क्षेत्र में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और निगरानी के इंतजाम किए जाएं, ताकि शिक्षण संस्थान के आसपास का वातावरण सुरक्षित एवं गरिमापूर्ण बनाया जा सके।

सामाजिक वातावरण हो रहा दूषित

क्षेत्रवासियों का कहना है कि विद्यालय जैसे संवेदनशील स्थान के सामने शराबखोरी न केवल सामाजिक वातावरण को दूषित कर रही है, बल्कि विद्यार्थियों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। शाम के समय मार्ग से गुजरने वाली छात्राओं, महिलाओं और आम नागरिकों को भी असुरक्षा की भावना का सामना करना पड़ता है।

एकल अभियान की आकस्मिक बैठक आयोजित

चिल्हारी नवभारत। संभाग महाकौशल, भाग रेवांचल, अंचल उमरिया, संच चिल्हारी में एकल अभियान की आकस्मिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों तथा ग्राम स्तर पर अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संच समिति अध्यक्ष अमृत लाल जायसवाल, युवा समाजसेवी राजर्षि मिश्रा, संच प्रमुख कल्पना सेन तथा चिल्हारी संच के समस्त आचार्य आदि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं ने शिक्षा, संस्कार, ग्राम विकास एवं सामाजिक जागरण के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। उपस्थित अतिथियों ने एकल अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में इसके योगदान की सराहना की तथा सभी को समर्पण भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

अवैध रेत व गिट्टी परिवहन करते 3 वाहन जब्त

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खनिज विभाग की कार्यवाही

शहपुरा, डिंडौरी, नवभारत 19 जून। शुक्रवार को खनिज विभाग की टीम ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाकर अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों पर कार्यवाही की।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेहंदवानी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मेहंदवानी, तहसील शहपुरा एवं थाना मेहंदवानी क्षेत्र में दो ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 51 एए 8639 एवं एमपी 52 एए 7738 को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। कार्यवाही के तहत दोनों वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से थाना मेहंदवानी में खड़ा कराया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी।

ग्राम हिनौता में भी की गई कार्यवाही

इसी प्रकार ग्राम हिनौता, तहसील एवं जिला डिंडौरी क्षेत्र में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली क्रमांक एमपी 51 एए 1659 को बिना वैध अनुमति खनिज गिट्टी का परिवहन करते पाया गया। संबंधित वाहन को भी आवश्यक कार्यवाही हेतु कोतवाली थाना डिंडौरी में सुरक्षित खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग ने बताया कि जब्त किए गए वाहनों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार आगामी कार्यवाही की जाएगी तथा प्रकरण न्यायालय कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

एक नजर में

जनजाति कल्याण केंद्र की साधारण सभा आयोजित

शहपुरा नवभारत 19 जून। जनजाति कल्याण केंद्र महाकौशल बरगांव की साधारण सभा बैठक दिनांक 14 जून को केंद्र के केशव सभागार में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख एवं केंद्र के मार्गदर्शक राजकुमार मटाले मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। बैठक में केंद्र की विभिन्न उपसमितियों ने विगत वर्ष के कार्यों का प्रस्तुतिकरण करते हुए आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा की। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, पर्यावरण संरक्षण एवं ग्राम विकास से जुड़े सेवा कार्यों के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। अपने संबोधन में राजकुमार मटाले ने कहा कि जनजाति कल्याण केंद्र द्वारा संचालित सेवा कार्यों का विस्तार 100 ग्रामों तक किया जाए। उन्होंने सेवा को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए समाज के अधिकाधिक लोगों को सेवा गतिविधियों से जुड़ने का आह्वान किया।
जनजातीय क्षेत्र के विकास में सहयोग दूंगा : तिवारी–मुंबई के अभिनेता ब्रजकिशोर तिवारी ने भी केंद्र के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए जनजातीय क्षेत्र के विकास में सहयोग का विश्वास दिलाया। बैठक में अध्यक्ष मनोहर लाल साहू, सचिव डॉ. सुनीलकांत बाजपेयी सहित कार्यकारिणी एवं साधारण सभा के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के साथ हुआ।

नगर के डिवाइडरों पर जगमगाईं स्ट्रीट लाइटें

शहपुरा नवभारत 19 जून। शहपुरा नगर की प्रकाश व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डिवाइडर निर्माण कार्य के तहत स्थापित विद्युत पोलों पर लगी स्ट्रीट लाइटों का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य नगर परिषद अधिकारी, एसडीएम, नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी तथा नगर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। उपस्थित अतिथियों ने अगरबत्ती जलाकर एवं नारियल फोड़कर स्ट्रीट लाइटों का लोकार्पण किया। इसके बाद विद्युत पोलों पर लगी लाइटों को प्रारंभ कर नगरवासियों को समर्पित किया गया।

रात्रि के समय आवागमन सुगम होगा–जनप्रतिनिधियों ने कहा कि नगर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। नई स्ट्रीट लाइटों के शुरू होने से रात्रि के समय आवागमन सुगम होगा, दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी तथा असामाजिक गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा। साथ ही नगर की सुंदरता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नगरवासियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए नगर परिषद की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि विकास और जनसुविधाओं से जुड़े ऐसे कार्य भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

प्राकृतिक खेती की दी गई तकनीकी जानकारी

ग्राम ढ़ोढ़ा में कार्यशाला सह संगोष्ठी का आयोजन

शहपुरा नवभारत 19 जून। विश्व पर्यावरण एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य जनकल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन अंतर्गत आज 19 जून को प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विकासखंड शहपुरा के ग्राम ढ़ोढ़ा में कार्यशाला सह संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कृषकों को प्राकृतिक खेती के महत्व, पर्यावरण संरक्षण एवं खेती के बीच गहरे संबंधों के साथ-साथ प्राकृतिक तरीकों को अपनाकर खेती करने की तकनीकों की जानकारी दी गई। उपस्थित कृषकों को बताया गया कि प्राकृतिक खेती से मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम में कुल 216 कृषकों ने सहभागिता की।

जैविक खाद से उत्पादन में होती है वृद्धि : त्रिपाठी– उपाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि वे स्वयं एक किसान परिवार से हैं और नियमित रूप से प्राकृतिक खेती एवं जैविक खाद का उपयोग करते हैं। इससे उत्पादन में वृद्धि तथा लागत में कमी आती है, जिससे लाभ अधिक होता है। उन्होंने सभी किसान भाइयों से अपील की कि वे प्राकृतिक खेती को अपनाकर स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बूंद-बूंद पानी को तरस रहे कनईसांगवा के ग्रामीण

प्रशासन को नींद से जगाने हाईवे पर किया प्रदर्शन, नल जल योजना तीन माह से बंद

डिंडोरी, नवभारत 19 जून। जिला मुख्यालय से सटे ग्राम पंचायत कनईसांगवा में तीन माह से बंद पड़ी नल-जल योजना के कारण उपजे भीषण पेयजल संकट ने शुक्रवार को उग्र रूप ले लिया।

लंबे समय से पानी की समस्या झेल रहे ग्रामीणों का सब्र जवाब दे गया और वे घरों से खाली बर्तन लेकर डिंडोरी-अमरकंटक राष्ट्रीय मार्ग पर स्थित कनईसांगवा तिराहा पहुंच गए, जहां सुबह करीब 9:30 बजे चकाजाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि नल-जल योजना पिछले तीन महीनों से पूरी तरह बंद पड़ी है। पंचायत और संबंधित विभागों को कई बार शिकायतें करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ, जिसके चलते मजबूर होकर ग्रामीणों को सड़क पर उतरना पड़ा।

चकाजाम से थमा यातायात–हाईवे पर चकाजाम की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, यातायात अमला और राजस्व विभाग का अमला मौके पर पहुंच गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन पानी की समस्या से परेशान ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। इस दौरान डिंडोरी-अमरकंटक मार्ग के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित रहा।

आश्वासन के बाद समाप्त हुआ आंदोलन–स्थिति को गंभीर होते देख लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण क्षेत्र के हैंडपंपों का जलस्तर काफी नीचे चला गया है, जिससे पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही थी। साथ ही नल-जल योजना में आई तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत को तकनीकी स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

प्राचीन बावड़ी के आसपास जमी गाद को हटाया

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मनाया गया बावड़ी उत्सव

शहपुरा नवभारत 19 जून। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तृतीय चरण के अंतर्गत विकासखंड शहपुरा के ग्राम खितौला स्थित बच्चू महाराज के पाताल धारा आश्रम परिसर में पारंपरिक 'बावड़ी उत्सव' का आयोजन हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया गया।

तेज बारिश के बावजूद ग्रामवासियों का उत्साह देखने लायक रहा और बड़ी संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। आयोजन कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन, संभाग समन्वयक रवि बर्मन, आनंद विभाग भोपाल के राज्य समन्वयक आकाश दुबे, जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान एवं स्वामी गणेश गिरी महाराज की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक श्रमदान से हुई–कार्यक्रम का नेतृत्व विकासखंड समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य ने किया। नवांकुर संस्था प्रस्फुटन समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक श्रमदान से हुई, जिसमें प्राचीन बावड़ी के आसपास जमा गाद को हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया–इसके बाद आयोजित संगोष्ठी में भजन मंडली ने गीतों के माध्यम से जल संरक्षण, पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बावड़ी को फूलों और दीपों से सजाया गया तथा महाआरती और नर्मदा अष्टक के माध्यम से जल को जीवन का आधार मानते हुए उसके संरक्षण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं ग्रामीणों ने बेल और नीम के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कलेक्टर राखी सहाय की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक, समस्या के समाधान पर विस्तृत चर्चा

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने बनेगी समन्वित कार्ययोजना

चिल्हारी नवभारत 19 जून। जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के कोर एवं बफर क्षेत्र मे बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष और उससे स्थानीय ग्रामीणों के जीवन पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए कलेक्टर राखी सहाय की अध्यक्षता मे ईको सेंटर ताला मे महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में संघर्ष की घटनाओं की रोकथाम तथा उसके दीर्घकालिक एवं स्थायी समाधान पर विस्तृत चर्चा करते हुए समन्वित कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी। कलेक्टर ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष केवल वन्यजीव संरक्षण का नहीं, बल्कि ग्रामीणों की सुरक्षा, आजीविका और सामाजिक जीवन से जुड़ा गंभीर विषय है। उन्होंने वन विभाग, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तथा राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय और सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोर क्षेत्र के गांवों मे नियमित जनचौपाल आयोजित कर लोगों को जागरूक करने, किसी भी घटना की सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम को तत्काल मौके पर भेजने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक मे बताया गया कि वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही के कारण ग्रामीणों में भय का वातावरण बनता है।

15वें वित्त की राशि से फेन्सिंग का सुझाव–मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने कोर क्षेत्र की स्पष्ट मार्किंग, बाउंड्री निर्माण, जल संरचनाओं के बेहतर प्रबंधन तथा बाघ से जुड़ी घटनाओं मे पुलिस और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता बताई। उन्होंने 15वें एवं 5वें वित्त आयोग की राशि से आवश्यक स्थानों पर फेंसिंग कराने का सुझाव दिया। उप संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व योहान कटारा ने लेंटाना जैसी घनी झाड़ियों को हटाने, एनजीओ के सहयोग से सोलर लाइट लगाने तथा खुले कुओं को ढंककर वन्यजीवों की दुर्घटनाजन्य मौत रोकने का प्रस्ताव रखा।

60 मरीजों को लगाई गई न्यूमोकोकल वैक्सीन

विश्व सिकल सेल दिवस पर शिविर आयोजित, 335 का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

डिंडौरी, नवभारत 19 जून। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं जन स्वास्थ्य सहयोग, गनियारी बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के सहयोग से जिला मुख्यालय के उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में जिला स्तरीय सिकल सेल जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, स्क्रीनिंग को प्रोत्साहित करना तथा रोगियों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। विश्व सिकल सेल दिवस के उपलक्ष्य में जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं आरोग्य केन्द्रों में एएनएम एवं सीएचओ द्वारा 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोगों की सिकल सेल स्क्रीनिंग एवं जांच की गई।

57 मरीजों को विकलांगता प्रमाण पत्र प्रदान किए–जिला स्तरीय शिविर में कुल 335 सिकल सेल मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें से 57 मरीजों को विकलांगता प्रमाण पत्र बनाकर प्रदान किए गए तथा 60 मरीजों को न्यूमोकोकल वैक्सीन लगाई गई। इससे रोगियों को आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई गई। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने प्रदर्शनी एवं स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन किया।

निहाल को सिकल सेल वैक्सीन का दूसरा डोज लगाया गया–कलेक्टर ने ग्राम धनवासी निवासी निहाल सिंह उम्र 13 वर्ष को अपने समक्ष सिकल सेल वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया। इस दौरान उन्होंने निहाल को नियमित रूप से दवाइयां लेने, पौष्टिक आहार ग्रहण करने तथा डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार जारी रखने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि शुरुआती अवस्था में उचित इलाज, खान-पान और सावधानी से स्वास्थ्य में सुधार संभव है।

सिकल सेल जेनेटिक बीमारी है–शिविर में उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सिकल सेल एक जेनेटिक बीमारी है, न कि संक्रामक रोग। इसलिए इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि सही समय पर जांच, डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवा का नियमित सेवन और संतुलित खान-पान अपनाकर इस बीमारी के प्रभाव को नियंत्रित किया जा सकता है।

कार्यशाला मानसून में नहीं थमेगा पर्यटन, उमरिया में पर्यटन की अपार संभावनाएं

बांधवगढ़ में विकसित होंगी नई पर्यटन गतिविधियां

नवभारत उमरिया 19 जून। टाइगर रिजर्व में मानसून सीजन के दौरान पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को एमपी टूरिज्म के व्हाइट टाइगर फॉरेस्ट लॉज में हुआ।

देशभर से आए पर्यटन विशेषज्ञों, होटल व्यवसायियों, ट्रैवल एजेंटों और अन्य हितधारकों की मौजूदगी में पर्यटन, वन विभाग और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पर्यटन विकास के लिए संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। उमरिया कलेक्टर राखी सहाय ने कहा कि जिला पर्यटन की अपार संभावनाओं से भरपूर है, जिन्हें अभी पूरी तरह तलाशा जाना बाकी है।

हवाई पट्टी के रनवे विस्तार की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी–उन्होंने बताया कि मानसून काल में पर्यटन गतिविधियों में कमी आने से स्थानीय रोजगार प्रभावित होता है, लेकिन पर्यटन एवं वन विभाग के समन्वित प्रयासों से जिले में वर्षभर पर्यटन को सक्रिय रखा जा सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि उमरिया हवाई पट्टी के रनवे विस्तार की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी, जिससे भविष्य में व्यावसायिक उड़ानों का संचालन संभव हो सकेगा।

बढ़ते वन्यजीव का दबाव एक चुनौती–कार्यशाला में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय ने बताया कि बांधवगढ़ को हाल ही में देश के सर्वश्रेष्ठ वाइल्डलाइफ डेस्टिनेशन का सम्मान मिला है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय होटल व्यवसायियों, गाइडों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी हितधारकों को दिया। उन्होंने कहा कि 130 गांवों से घिरे बांधवगढ़ में बढ़ते वन्यजीव दबाव को चुनौती के साथ अवसर के रूप में भी देखने की आवश्यकता है, जो भविष्य में रोजगार सृजन का माध्यम बन सकता है।

पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा : डॉ. श्रीवास्तव–मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड (एमपीटीबी) के साहसिक पर्यटन के संयुक्त संचालक डॉ. एसके श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यटन का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब पर्यटक केवल टाइगर सफारी तक सीमित नहीं रहना चाहते। उन्होंने बताया कि जंगलों में ट्रैकिंग, बर्ड वाचिंग, स्टार गेजिंग और साइकिलिंग एक्सपीडिशन जैसी गतिविधियों की लोकप्रियता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कई बार टाइगर नहीं दिखने पर पर्यटक निराश हो जाते हैं, जबकि प्रकृति और जैव विविधता आधारित अन्य गतिविधियां उन्हें बेहतर अनुभव प्रदान कर सकती हैं।

प्रसव के लिए 15 किमी दूर जाने मजबूर महिलाएं

10 हजार आबादी वाला चिल्हारी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित

चिल्हारी नवभारत 19 जून। मानपुर विकासखंड के ग्राम चिल्हारी में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है। लगभग 10 हजार की आबादी वाले इस बड़े ग्राम में आज तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना नहीं हो सकी है।

यहां संचालित उप स्वास्थ्य केंद्र में डिलेवरी की सुविधा नहीं होने से गर्भवती महिलाओं को प्रसव कराने के लिए 10 किलोमीटर दूर चन्सुरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या 15 किलोमीटर दूर अमरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अथवा 35 किलोमीटर मानपुर या बरही जिला कटनी जाना पड़ता है।

बरसात के मौसम में स्थिति गंभीर हो जाती है

ग्रामीणों का कहना है कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर तत्काल वाहन की व्यवस्था कर दूरस्थ अस्पताल ले जाना पड़ता है। बरसात के मौसम में खराब सड़कों और आवागमन की समस्याओं के कारण स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। कई बार रात के समय मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौती बन जाता है, जिससे जच्चा-बच्चा दोनों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग

चिल्हारी क्षेत्र पड़वार सुखदास पलझा चंदवार पनपथा कोठिया, बम्हनगवा महरोई सहित अन्य दर्जनों गांव के लोग वर्षों से उप स्वास्थ्य केंद्र को उन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि चिल्हारी के साथ-साथ आसपास के कई गांवों की आबादी भी इसी केंद्र पर निर्भर है, फिर भी यहां पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं।